

DZONGKHA A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 1 DZONGKHA A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 1 DZONGKHA A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 1

Monday 22 May 2006 (morning) Lundi 22 mai 2006 (matin) Lunes 22 de mayo de 2006 (mañana)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Write a commentary on one passage only. It is not compulsory for you to respond directly to the guiding questions provided. However, you may use them if you wish.

## INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Rédigez un commentaire sur un seul des passages. Le commentaire ne doit pas nécessairement répondre aux questions d'orientation fournies. Vous pouvez toutefois les utiliser si vous le désirez.

## INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Escriba un comentario sobre un solo fragmento. No es obligatorio responder directamente a las preguntas que se ofrecen a modo de guía. Sin embargo, puede usarlas si lo desea.

2206-0079 4 pages/páginas

## র্মনান্মান্ত্রনাধ্যমান্ত্রিকালকামান্তিনার্থ্যমান্ত্রীমান্ত্রনার্ম্বী ট্রিন্সের নক্ষানেক্র ক্রেইকা

1. (a)

बाह्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य

च्यायः स्व द्वेताली. क्रीन् लूर्येन् सुष्यः च्रीयः स्वीयः च्रीयः स्वायः व्यवस्थः विस्वस्थः विस्थः विस्यः विस्थः विस्थः विस्थः विस्थः विस्थः विस्थः विस्थः विस्यः विस्

योथ्या, श्रुट्यास्थ्या, स्रीयाक्ट्राच्चर, स्रीयासून्यर स्थाप्ता अभ्यत्यस्य प्रियास्य प्रियास्य स्थाप्ता स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्

शहना, वु.सूर्यना, श्रुव.तथा विवाद स. क्षेत्राकृत, क्षेत्राकृत, क्षेत्राकृत, व्याव्य त्यात्र त्यात्य त्यात्र त्यात्य त

र्श्चित्रत्त्राचेष्ट्रत्त्र्रितालका क्षेत्राक्ट्र् क्षेत्रान्त्र देश्चित्र स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्

श्रुवं त्त्रज्ञ। द्वं ग्रुवः ग्रिनः न्यूट्रेवं स्वनव्यतीः क्षेत्राकृत्यक्षेवं त्यः ग्रिनः त्यदः श्रुवं त्यः स्वत्यवितः कः नविगतः र्युट्रेनः ग्रीनुः न्यूट्रेवं स्वनव्यतीः क्षेत्राकृत्यक्षेवं त्यः न्यूट्रेवं त्यः ग्रीहेनः त्यूट्रेवं त्यः ग्रीहेनः व्यविगतः विगतः व्यविगतः विगतः व्यविगतः व्यविगतः विगतः विग

वर धते के शक्ती विद्युद्ध गवद दिन विदेश चर्ति । गवस्य के व स्था के दिन में भूष हि के विद्युत्त व व व व व व व व

2206-0079

15

10

20

- र्हें बायची या वी बाद प्रति के बादी में दिव स्तु वी बाद स्तु वी
- र्डें अचिश्वायां मेश वित्त ते र्टें त्र श्रूप्त हुं श्री अपत् शुर्मित्व हुं भूति है ते ते हिं तु श्री श्री वित्त स्थित स्थि

**1.** (b)

क्षित्रदृष्, चार्ट्र जुप डोट्र डोट्र वर्षा | जुषका क्री चार्ष्ट्र स्त्र च्यू चार्ट्र जूर जुट्टा | स्वार्ट्ट त्या क्षिय हो चार्ट्ट त्या क्षिय हो चार्ट्ट त्या क्षिय हो स्वार क्षिय हो स्वार क्षिय हो स्वार क्षिय हो स्वार हो हो स्वार हो स्वर

ट.स.र्सिय.क्री.श्री.या.का.चर्चर.श्रीटी सि.क्ष्य.क्री.श्री.या.वर्चर.ता.थी

इ.ज्रेन्-र्र्यात्वयः होन्-होन्-वया विष्ट-यन्त्रः क्रुयावययः वर्स्नेन्-र्याटः सेन्।

र्केशहें तनुषायगाव पोषायग्री इसाध्य। ईसाभे दुर पोषाक्य में भादर प्रायमुव तयद भी गासुर भारा है पेरेव तेर प्रयाप

- ঢ়ূর্বি-শূরীঝারবদ্বান্তব্ব, ক্রিমারদ্বী-মান্ত্রীন্ত্রীক্রমার্থন ক্রিমার্থন ক্রেমার্থন ক্রিমার্থন ক্রেমার্থন ক্রিমার্থন ক্রিমার্থন ক্রিমার্থন ক্রিমার্থন ক্রিমার্থন ক
- ईंबावडीयनीया विन्तेतान्यवातकरासुंबीयमासु विन्तर्गिर्धेर्म्यस्य सुनामि ?
- र्हें अ तदी पते 'द्ये दें ब दूर मुश्र अ स्व अ
- र्ह्रियायद्याना योशायाश्वीरशासी निष्यत्र हुन् हुन् हुन् हुन् हुन् से स्वर्था स्वर्था निष्यत्र स्वर्धा ?